[Total No. of Printed Pages :4] अनुक्रमांक.....

B.A.J.Y.- 302

मेलापक एवं विवाह मुहूर्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी0 ए0 -12/16/17

तृतीय वर्ष, सत्र-2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न-पत्र अस्सी (80) अंकों का है, जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। विद्यार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड - 'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट:- खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित है। विद्यार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मेलापक के उद्देश्य को लिखते हुए वर्ण विचार को लिखिए।
2. वैधव्य योगों का वर्णन कीजिए।
3. वर एवं कन्या वरण के मुहूर्त एवं विधि का वर्णन कीजिए।
4. विवाह मुहूर्त को लिखिए।

खण्ड - 'ख'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। विद्यार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अष्टकूटों का परिचय दीजिए।
2. तारा विचार को लिखिए।
3. त्रिबल शुद्धि का निरूपण कीजिए।
4. विवाह मुहूर्त्त के दस दोषों का निरूपण कीजिए।
5. द्विरागमन मुहूर्त्त का निरूपण कीजिए।
6. सम्मुख शुक्र परिहार का निरूपण कीजिए।
7. विवाह के प्रयोजन को लिखिए।
8. कन्यावरण मुहूर्त्त को लिखिए।

खण्ड - 'ग'

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

1. प्रश्न लग्न से 10, 11, 3, 7, अथवा 5 भावों में गुरू से दृष्ट चन्द्रमा हो तो जातक का विवाह होता है।

(i) विलम्ब से (ii) प्रयास करने से

(iii) अतिशीघ्र (iv) कभी नहीं

2. विवाह में सूर्य जन्म स्थान से शुभ होता है-

(i) 3, 6, 10, 11 स्थानों में (ii) 1, 2 स्थानों में

(iii) 7, 9 स्थानों में (iv) 8, 12 स्थानों में

3. आश्लेषा नक्षत्र में उत्पन्न कन्या के विवाह उपरान्त नाश होता है-

(i) श्वशुर का (ii) सास का

(iii) पति का (iv) ननद का

4. तारा की गुण संख्या है-

(i) एक (ii) पाँच

(iii) तीन (iv) सात

5. चतुष्पद राशियाँ हैं-

(i) तुला (ii) मकर

(iii) मेष (iv) वृश्चिक

6. विप्र संज्ञक राशियाँ हैं-

(i) कर्क, वृश्चिक, मीन

(ii) मेष, सिंह, धनु

(iii) वृष, कन्या, मकर

(iv) तुला, मिथुन, कुम्भ

7. सूर्य के मित्र ग्रह हैं-

(i) मंगल (ii) शुक्र

(iii) बुध (iv) शनि

8. लग्न से 12वें भाव में मार्गी पाप ग्रह हो तो -

(i) कर्त्तरी योग (ii) रूचक योग

(iii) सुनफा योग (iv) रवि योग

9. दिन में कितने मुहूर्त होते हैं-

(i) 20 (ii) 30

(iii) 15 (iv) 60

10. रिक्ता संज्ञक तिथि है-

(i) पंचमी (ii) चतुर्थी

(iii) द्वितीया (iv) दशमी

****